Series : SKS/1

कोड नं. 2/1/1 Code No.

रोल नं.			
Roll No.			

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ट 8 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाहन में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अविध के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक) HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घंटे]

Time allowed: 3 hours]

[अधिकतम अंक :100

[Maximum marks: 100

इकाई फीवन है अब है ..

कोई सच के नहीं साथ है

के द्वारा कहा जाता कारण

साधायन भारत सरता है -

इस शहर में असामाध्यक ताल और धानक क्या-क्या प्राप्त करते हैं

मीवावन पूर्वा मरता है

खंड - 'क'

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

 $1 \times 5 = 5$

खुल कर चलते डर लगता है । । अप । । अक तहावाचीर कि अपवीद्य । असे अकारण । असे असे विक

बातें करते डर लगता है

क्योंकि शहर बेहद छोटा है ।

ऊँचे हैं, लेकिन खजूर से मुँह है इसीलिए कहते हैं,

जहाँ बुराई फूले-पनपे-

वहाँ तटस्थ बने रहते हैं,

2/1/1

[P.T.O.

नियम और सिद्धान्त बहुत दंगों से परिभाषित होते हैं -

जो कहने की बात नहीं है. वही यहाँ दुहराई जाती, जिनके उजले हाथ नहीं हैं.

उनकी महिमा गाई जाती यहाँ ज्ञान पर, प्रतिभा पर, इक्ष के क्षिक्रिक्ष प्रकार है कि प्रकार के क्षिप्त के प्रकार के क्षिप्त के प्रकार के

अवसर का अंकुश बहुत कड़ा है -कृपका प्रश्न का उत्तर शिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवर

सब अपने धन्धे में रत हैं

क्योंकि शहर बेहद छोटा है।

बुद्धि यहाँ पानी भरती है, सीधापन भूखों मरता है -उसकी बडी प्रतिष्ठा है. जो सारे काम गलत करता है। यहाँ मान के नाप-तौल की, इकाई कंचन है, धन है -कोई सच के नहीं साथ है यहाँ भलाई बुरी बात है

क्योंकि शहर बेहद छोटा है ।

- कवि शहर को छोटा कहकर किस 'छोटेपन' को अभिव्यक्त करना चाहता है ? कि कि कि कि
- इस शहर के लोगों की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ?
- (II) आशय समझाइए :

बुद्धि यहाँ पानी भरती है,

सीधापन भूखों मरता है -

- इस शहर में असामाजिक तत्त्व और धनिक क्या-क्या प्राप्त करते हैं ?
- 'जिनके उजले हाथ नहीं हैं' कथन में हाथ उजले न होना से किव का क्या आशय है ? कि क्या है (ङ)

2/1/1

किनी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

Series: SKS/I

कारण और दर में कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पुष्ठ 8 है।

कुपया जीव कर ले कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।

जार परिस्ता कर कोई उत्तर नहीं लिखीये

इस प्रजन्मात्र की पहले के लिए 15 फिलट का संगय दिया गया है

क्वितिवात कांब्यांम को पड़कर पूछे गए प्रस्तों के उत्तर दीनिए :

मयोषिक शहर बेहिद छोटा है।

इंचे हैं, लीकन धन्स स

में हैं इस्मिलए कहते हैं,

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मृत्युंजय और संघिमत्र की मित्रता पाटिलपुत्र के जन-जन की जानी बात थी । मृत्युंजय जन-जन द्वारा 'धन्वन्तिर' की उपाधि से विभूषित वैद्य थे और संघिमत्र समस्त उपाधियों से विभुक्त 'भिक्षु' । मृत्युंजय चरक और सुश्रुत को समर्पित थे तो संघिमत्र बुद्ध के संघ और धर्म को । प्रथम का जीवन की सम्पन्तता और दीर्घायुष्य में विश्वास था तो द्वितीय का जीवन के निराकरण और निर्वाण में । दोनों ही दो विपरीत तटों के समान थे, फिर भी उनके मध्य बहने वाली स्नेह-सिरता उन्हें अभिन्न बनाए रखती थी । यह आश्चर्य है, जीवन के उपासक वैद्यराज को उस निर्वाण के लोभी के बिना चैन ही नहीं था, पर यह परम आश्चर्य था कि समस्त रोगों को मलों की तरह त्यागने में विश्वास रखने वाला भिक्षु भी वैद्यराज के मोह में फँस अपने निर्वाण को कठिन से कठिनतर बना रहा था ।

वैद्यराज अपनी वार्ता में संघिमत्र से कहते – निर्वाण (मोक्ष) का अर्थ है आत्मा की मृत्यु पर विजय । संघिमत्र हँसकर कहते – देह द्वारा मृत्यु पर विजय मोक्ष नहीं है । देह तो अपने आप में व्याधि है । तुम देह की व्याधियों को दूर करके कष्टों से छुटकारा नहीं दिलाते, बिल्क कष्टों के लिए अधिक सुयोग जुटाते हो । देह व्याधि से मुक्ति तो भगवान की शरण में है । वैद्यराज ने कहा – मैं तो देह को भगवान के समीप जीते जी बने रहने का माध्यम मानता हूँ । पर दृष्टियों का यह विरोध उनकी मित्रता के मार्ग में कभी बाधक नहीं हुआ । दोनों अपने कोमल हास और मोहक स्वर से अपने-अपने विचारों को प्रस्तुत करते रहते ।

		_	
(क)	मृत्युंजय कौन थे ? उनकी विचारधारा क्या थी ?	2	
(ख)	जीवन के प्रति संघमित्र की दृष्टि को समझाइए ।	2	
(ग)	लक्ष्य-भिन्नता होते हुए भी दोनों की गहन निकटता का क्या कारण था ?	1	
(घ)	दोनों को दो विपरीत तट क्यों कहा है ?	2	
(ङ)	देह के विषय में संघमित्र ने किस बात पर बल दिया है ?	1	
(च)	देह-व्याधि के निराकरण के बारे में संघमित्र की अवधारणा के विषय में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।	2	
(छ) विचारों की भिन्नता/विपरीतता के होते हुए भी दोनों के संबन्धों की मोहकता और मधुरता क्या			
	है ? असामार नेवन के छह क्रमारी कानाम लिखिए।	2	
(ज)	गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक सुझाइए ।	1	
(झ)	उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए —		
Oloik	समर्पित अथवा विभूषित	1	
(স)	रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए :	1	
SIOTE .	'प्रथम का जीवन की सम्पन्नता और दीर्घायुष्य में विश्वास था तो द्वितीय का जीवन के निराकरण और निर्वाण में ।'		

[P.T.O.

2/1/1

खंड - 'ख'र के तिस्स पूर्व र्पूर समझा के एपीइन सह

. निम	नलिखित	में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : हिम्मिटी किसी कि अमीर्थ पाउँ करिया		5
op Ha	Par jest	ि की उपाधि से विभूपत देख वे और संघागत समस्त उपाधियों से विमुक्त 'निम्सु' ।		
(ক)	मज़ह	ब नहां सिखाता आपस में बैर रखना क्षेत्र हों। इस के क्षेत्र हमोड़ेस कि के लगाना कि कि	धुन स्रोह	
(ख	भारत	स्य से हिसीय कर जीवन के निराधरण और निर्वाध में । बीची प्रकर्फ क हरेकील में		
	石市下	हा मध्य बहने व्यक्ती स्नोह-सरिता उन्हें अभिन्न बनाए रखती थी । यह आस्त्रय है, जीव	म उना	
(ग)	मोबाः	को उस निर्वाण के लोगे के बिना चेन ही नहीं था, पर यह परम आ तर्मात्रिक के कि		
(ঘ)	आतंव	हैं हैं हैं कि जाता है कि कि कि मार्थ में केंस के मोह में फैस अपने हैं कि	की तर	
. ,			बना रह	
		वेह्नसम अपनी वार्ता में संयोगत्र से कहते - निर्वाण (मोक्ष) का अर्थ है आन्या की मुख		
		'वयस्क फिल्में' दिखाने के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रकट करते हुए किसी प्रतिष्ठित		
पत्र व	के संपाद	क के नाम पत्र लिखिए ।	समाचार	
FIE IF	ph p	से मुक्ति तो मगवान की शरण में है। वेद्याज ने कहा - में तो देह को भगवान के समी		5
		ा पाध्याम मानता हूँ। पर दृष्टियों का यह विशे ावधर ा मित्रता के मार्ग में कभी बाधक न		
गार्थ	निकः र	थानों पर धूम्रपान निषेध नियम के उल्लंघन को लेकर अपने राज्य के पर्यावरण मंत्री	FREE	
लिखि		यांना पर यूम्रपान निषेध नियम के उल्लंधन का लंकर अपने राज्य के पर्यावरण मंत्री	को पत्र	
लाख	बए ।	पुरुष्याय कीन थे ? उनकी विचानधारा बचा थी ?		
		जावन के प्रीत संघीमत की दृष्टि को समझाइए।	(B)	
(=			(10)	
(क)	17-710	निखत के उत्तर संक्षेप में दीजिए : हाता १०,५००मी महाए कि मिन्न कि एकु विकास समिनकान	1×5=	= 5
	(i)	खोजपरक पत्रकारिता किसे कहा जाता है ?		
	<i>(</i> ***)	दह के विषय में संघमित्र ने किस बात पर बल दिया है ?		
	(ii)	प्रमुख जनसंचार माध्यम कौन से हैं ? अगर प्राप्तकों सम्मर्क के प्रमान के प्राप्तकार कि हमीएफ के प्राप्त के प्राप्तकारमें के स्वीपन कुछ		
	(iii)	गंकर बाइट किसे कहते हैं ?		
	ALL HARD	विवास को छिन्तागावपस्ताता के हाते हुए या बाना के संबन्धा का महक्का। आर नबुरमा		
	(iv)	समाचार लेखन के छह ककारों के नाम लिखिए ।		
	(v)	विशेष लेखन क्या है ?	(TF)	
		उदसर्ग और प्रत्यव अलग कीजिए -		
(ख)	'प्रान्ती	यता का फैलता हुआ विष' अथवा 'बड़े शहरों में जीवन की चुनौतियाँ' विषय पर एक	आलेख	
	लिखिए	समायत अध्यवा वर्गायत		5
		रचना की दृष्टि से जावय का प्रकार जताइए	(F)	
'भ्रष्टा	चार की	बढ़ती हुई घटनाएँ' अथवा 'कन्या-भ्रूण हत्या की समस्या' विषय पर एक फ़ीचर का	आलेख	
लिखि		विद्याण में ।'		5
		4		
		4		A

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : । आयोध निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : । आयोध निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

में स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ,

 $2 \times 3 = 6$

में कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,

जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,

में अपने मन का गान किया करता हूँ।

मैं निज उर के उद्गार लिए फिरता हूँ,

में निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ,

है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता

मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ ।

- कवि ने स्नेह को सुरा क्यों कहा है ? संसार के प्रति उसके नकारात्मक दृष्टिकोण का क्या कारण है ?
- संसार किनको महत्त्व देता है ? किव को वह महत्त्व क्यों नहीं दिया जाता ?
- 'उदगार' और 'उपहार' कवि को क्यों प्रिय हैं ? (ग)
- आशय स्पष्ट कीजिए : **(**घ) है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता में स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ ।

अथवा

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी हाथों में झुलाती है उसे गोद-भरी

रह-रह के हवा में जो लोका देती है गुँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी

नहला के छलके-छलके निर्मल जल से उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके

किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को प्राचीन अगर हिन्दी कि हमारी किए प्राचीन के छिट अगर जब घुटनियों में ले के है पिन्हाती कपड़े ।

- 'चाँद का टुकड़ा' कौन है ? इस बिम्ब के प्रयोगगत भावों में क्या विशेषता है ?
- बच्चे को लेकर माँ के किन क्रियाकलापों का चित्रण किया गया है ? उनसे उसके किस भाव की अभिव्यक्ति हो रही है ?
- 'किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को' में अभिव्यक्त बच्चे के चेष्टाजन्य सौन्दर्य की विशेषता को स्पष्ट (刊)
- माँ और बच्चे के स्नेह संबंधों पर टिप्पणी कीजिए ।

[P.T.O.

भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार । अवीक अल	म्मिलिवित प्रसादा है। पदकर पूछ गए प्रश्ना क
मन महुँ जात सराहत पुनि-पुनि पवनकुमार ।।	लेंड-सूरा का याने किया करता हैं
	मोरा न जाने का ध्यान दिया करता है
(क) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए ।	्र अग्र पूछ रहा उत्तरहा, जो सम की गाते,
(ख) कविता के भाषिक सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए ।	ाने मस का पान किया करता हूँ ।
(ग) काव्यांश के भाव-वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए ।	हैं का भी प्रतार किए विस्ता है
	निज उर के उपहार जिल्ले फिरला है,
अथवा	है यह अपूर्व संसार न पुत्राको भारत
सबसे तेज बौछारें गईं भादों गया	काओं का संसाद दिवस फिराता है।
ए के प्रति उसके नकासत्मक दृष्टिकोण का क्या कारण है ?	हां काद ने इनेह की सूरा क्यों कहा है ? संस
सवेरा हुआ	ह). संसार किनको पहल्ब देता है ? कवि को
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा	ा) 'उद्गार' और 'उगहर' कवि को क्यों प्रि
शरद आया पुलों को पार करते हुए	्रभाशीय स्पष्ट कीजिए:
- 1 m	ं हे यह अपूर्ण संसार न पूजको भाता
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए	में स्टायों का संसार लिए किरता हूं ।
घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से	TONG
	सेंगन में लिए खोंद के ट्रमाड़े को खड़ी
चमकीले इशारों से बुलाते हुए	किंग्ने की पिट है कि जो मार्च में
पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुण्ड को	हैं किई स्वार्ध के की लाबत देती है
(क) शरत्कालीन सुबह की उपमा किससे दी गई है ? क्यों ?	म उठती है खिल जिलाते बच्चे की हैसी
	ताला के खलके एनके निर्मास जल में
(ख) मानवीकरण अलंकार किस पंक्ति में प्रयुक्त हुआ है ? र	उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।
(ग) शरद ऋतु के आगमन वाले बिम्ब का सौंदर्य स्पष्ट कीवि	िक्स प्राप्त से देखता है पच्चा मेह जो प्रा
	वं मुद्रियों में ले के हैं पिन्होंनी क्वाड़े ।
	To the

2/1/1

'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के प्रतिपाद्य के विषय में अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत कीजिए ।

' छंद के आधार पर तुलसीदास के भक्त हृदय की विशेषता पर टिप्पणी कीजिए ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

 $2 \times 4 = 8$

ंमें जिस्स बीज की पर्सना करता है जह है

सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भिक्तन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है — नाम है लिछिमन अर्थात लक्ष्मी । पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भिक्तन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी । वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भिक्तन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धिसचक नाम किसी को बताती नहीं ।

- (क) भिक्तन के संदर्भ में हनुमान जी का उल्लेख क्यों हुआ है ?
- (ग) 'जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है' अपने आस-पास के जगत से उदाहरण देकर प्रस्तुत कथन की पुष्टि कीजिए ।
- (घ) लेखिका ने भक्तिन को समझदार क्यों माना है ? अपन अपने कि लाहार्गित के किए सामस्त्र कर है।

अथवा

उस बल को नाम जो दो; पर वह निश्चय उस तल की वस्तु नहीं है जहाँ पर संसारी वैभव फलता-फूलता है। वह कुछ अपर जाति का तत्व है। लोग स्पिरिचुअल कहते हैं; आत्मिक, धीर्मिक, नैतिक कहते हैं। मुझे योग्यता नहीं कि मैं उन शब्दों में अंतर देखूँ और प्रतिपादन करूँ। मुझे शब्द से सरोकार नहीं। मैं विद्वान नहीं कि शब्दों पर अटकूँ। लेकिन इतना तो है कि जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है। बिल्क यदि उस बल को सच्चा बल मानकर बात की जाए तो कहना होगा कि संचय की तृष्णा और वैभव की चाह में व्यक्ति की निर्बलता ही प्रभावित होती है। निर्बल ही धन की ओर झुकता है। वह अबलता है।

- (क) लेखक किस बल की बात कर रहा है ? वह बल कहाँ फलता-फूलता है ?
- (ख) क्या उस बल को आप नैतिक बल कह सकते हैं ? तर्क के आधार पर अपने मत की पुष्टि कीजिए ।
- (ग) 'बटोर रखने की स्पृहा' से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।
- (घ) 'निर्बल ही धन की ओर झुकता है' आशय समझाइए ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

 $3 \times 4 = 12$

- (क) 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण विज्ञान के सत्य पर सहज प्रेम की विजय का चित्र प्रस्तुत करता है स्पष्ट कीजिए ।
- (ख) पहलवान की ढोलक की उटती-गिरती आवाज़ बीमारी से दम तोड़ रहे ग्रामवासियों में संजीवनी का संचार कैसे करती है ? उत्तर दीजिए ।
- (ग) 'चार्ली की फिल्में भावनाओं पर टिकी हुई हैं, बुद्धि पर नहीं' 'चार्ली चैप्लिन यानी हम सब' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
- (घ) भीमराव आंबेडकर के मत में दासता की व्यापक परिभाषा क्या है ? समझाइए ।
- (ङ) नमक की पुड़िया को लेकर सिफया के मन में क्या द्वन्द्व था ? सिफया के भाई ने नमक ले जाने के लिए मना क्यों कर दिया था ?

[P.T.O.

12.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :	
	(क) यशोधर बाबू ऐसा क्यों सोचते हैं कि वे भी किशनदा की तरह घर-गृहस्थी का बवाल न पालते तो अच्छा था ?	2
	(ख) कैसे कहा जा सकता है कि मुअनजो-दड़ो शहर ताम्रकाल के शहरों में सबसे बड़ा और उत्कृष्ट है ?	3
	समुद्धिस्वक नाम किसी को बताली नहीं ।	
13.	'मैं जिस चीज़ की भर्त्सना करती हूँ वह है हमारे मूल्यों की प्रथा और ऐसे व्यक्तियों की मैं भर्त्सना करती हूँ जो	
13.	यह मानने को तैयार ही नहीं होते कि समाज में औरतों का योगदान कितना महान है ।'	
	्रऐन फ्रेंक के उक्त कथन के आलोक में उत्तर दीजिए : है कि मान नगर नगर कि कि कार्य के नहीं हैं (ह)	
	(क) भारतीय नारी-जीवन के संदर्भ में उन जीवन-मूल्यों का उल्लेख कीजिए जो हमें सहज ही प्राप्त होते हैं ।	3
	(ख) पुरुष समाज नारी के योगदान को महत्त्व क्यों नहीं देता ? अपने विचार लिखिए ।	2
14.	सिन्धु घाटी के लोगों में कला या सुरुचि का महत्त्व अधिक था – उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।	5
	नहीं कि मैं उस मुख्यों में अंतर देखें और प्रतिपादन करूँ ाष्ट्राध्ये सब्द से सरोकार नहीं । मैं विद्वान नहीं कि सब्दों	
	'जूझ' के कथानायक का मन पाटशाला जाने के लिए क्यों तड़पता था ? उसे खेती का काम अच्छा क्यों नहीं लगता था ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।	
	(क) सेखक किस बल को वात कर रहा है ? वह बल कहाँ फलता-फूलता है ?	
	(ख) क्या उस बल को आप नैतिक बल कह सकते हैं ? तर्क के आधार पर अपने मत की पुष्ट कीरियर ।	
	(ग) 'बहीर रखने की स्नुहा' से आप बबा समझते हैं ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीनिए।	
	(घ) 'निर्वल ही धन की ओर झकता है' – आशव समझाहए ।	
12	निम्नीलीखत में से कि ही खार प्रश्नों के उत्तर दीविए : 3 x 4 =	1
	 (क) 'काले मेद्रा पानी दे' संस्मरण विज्ञान के सत्य पर सहज ग्रेम की विजय का चित्र प्रस्तुत करता है – स्पष्ट कीजिए 1 	
	(ख) पहलवान की डोलक की उस्ती-गिरती आवाज़ बीमारी से दम तोड़ रहे प्रामचासियों में संजीवनी का संचार कैसे करती है ? उस्तर दीजिए ।	
	(ग) 'साली की फिल्में माधनाओं पर टिकी हुई हैं. बृद्धि पर नहीं' – 'बालों चैम्लिन पानी हम सब' पाट के आसार पर स्पष्ट कीलिए ।	
	(ध) भीमराव आंबेडकर के मत में दासता की व्यापक परिमाण क्या है ? समझावा ।	
	(छ) समक की पुढ़िया को खेकर सफिया के मन में क्या इन्द्र था ? सफिया के भाई ने नेमक ल नामे के लिए	